PGHND3C002T

हिंदी नाटक एंव रंगमंच

Roll No.....

एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर) दिसंबर 2016

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

नोट–

1. अनुभाग–एक के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. अनुभाग–दो में दस लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिनमें से आठ का उत्तर अपेक्षित होगा।
3. अनुभाग–तीन में पांच दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे जिनमें से तीन का उत्तर अपेक्षित होगा।

बहु विकल्पीय प्रश्न (अनुभाग–एक)

प्र01 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (10x1.5=15)

1– इनमें से किसने हिंदी नाटकों को अपनी मौलिक शैली प्रदान की ?

क– भारतेंदु हरिश्चंद्र ख– जगन्नाथ चतुर्वेदी

ग– बदरीनाथ भट्ट, घ– जयशंकर प्रसाद

2– जयशंकर प्रसाद रचित नाटक 'जनमेजय का नागयज्ञ' किस कोटि का नाटक है?

क– ऐतिहासिक ख– सामाजिक

ग– पौराणिक घ– प्रहसन

3– शुद्ध यथार्थवाद का निरूपण किसके नाटकों से प्रारंभ हुआ ?

क– जय शंकर प्रसाद ख– उपेंद्रनाथ अश्क

ग– उदय शंकर भटट घ– लक्ष्मीनारायण मिश्र

4– हिंदी के प्रथम नाटक 'नहुष' की रचना किस वर्ष हुई ?

क– सन् 1836 ख– सन् 1835 ग– सन् 1860 घ– सन् 1859

5– 'अंधेर नगरी' नाटक में कितने अंक हैं ?

क– छः ख– पांच ग– तीन घ– चार

6– भारतेंदु हरिश्चंद्र के कुल नाटकों की संख्या कितनी है ?

क– पंद्रह ख– बीस ग– उन्नीस घ– सत्रह

7– हिंदी रंगमंच के जन्मदाता कौन हैं ?

क– श्रीनिवासदास ख– राधाचरण गोस्वामी

ग– भारतेंदु हरिश्चंद घ– बालकृष्ण भटट

8– 'आधे अधूरे' नाटक का प्रकाशन कब हुआ ?

क– सन् 1972 ख– 1959 ग– 1969 घ– 1949

9– जय शंकर प्रसाद का पहला नाटक कौन सा है ?

क– चंद्रगुप्त ख– अजातशत्रु ग– विशाख घ– राज्यश्री

10– 'ध्रुवस्वामिनी' कैसा नाटक है ?

क– सामाजिक ख– मनोवैज्ञानिक ग– ऐतिहासिक घ– धार्मिक

लघु उत्तरीय प्रश्न (अनुभाग–दो)

निम्नलिखित में से किन्हीं आठ के उत्तर दीजिए– (8x5=40)

1– हिंदी नाटक की विकास यात्रा पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

2– भारतीय नाट्य तत्त्वों का उल्लेख करते हुए नाटक के शैली–शिल्प की समीक्षा कीजिए।

3– आधुनिक रंगमंच की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए रंगमंच परंपरा पर प्रकाश डालिए।

4– आधुनिक काल के हिंदी नाटकों का परिचय देते हुए उनकी भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए।

5– 'अंधेर नगरी' के संदर्भ में भारतेंदु की नाट्यकला की विवेचना कीजिए।

6– 'अंधेर नगरी' नाटक की पाल योजना की समीक्षा कीजिए।

7– रंगमंच की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' की तात्विक समीक्षा कीजिए।

8– 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है, इस कथन की पुष्टि कीजिए।

9– 'आधे–अधूरे' नाटक के कथानक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

10– 'आधे–अधूरे' नाटक में चित्रित मध्यवर्गीय जीवन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अनुभाग–तीन)

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए– (3x15=45)

1– हिंदी नाटकों में भारतेंदुयुगीन नाटकों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2– मंचीन नाटकों की समीक्षा करते हुए आधुनिक रंगमंचों की उपादेयता सिद्ध करें।

3– भारतेंदुयुगीन नाटकीय संवादों की विशेषताएं स्पष्ट करते हुए 'अंधेर नगरी' नाटक के संवादों की समीक्षा कीजिए।

4– रंगमंच की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' की सार्थकता एवं उद्देश्य पर समीक्षात्मक दृष्टि से प्रकाश डालिए।

– शिल्प एवं नाटकीय तत्वों के आधार पर 'आधे–अधूरे' नाटक का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए।